पर्यावरण संरक्षण को शहर में निकाली रैली, रोपे पौधे

कौन करे देखभाल !

वनविभाग ने पौधरोपण तो कर दिया परन्तु उसे पेड़ बनाने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा! वन विभाग द्वारा टपकेश्वर मंदिर के समीप लगाया गया पौधा, जिसकी सुरक्षा के लिए लगा दिए गए ट्री गार्ड, लेकिन देखभाल के अभाव में अब सूख गया पौधा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को शहर में विभिन्न आयोजन किए गए। कहीं गोष्ठी का आयोजन किया गया तो कहीं रैली निकालकर और पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वहीं प्रतियोगिता में बच्चों ने भी पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार रखे।

यूकॉस्ट में गोष्ठी का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

- विशेषज्ञ बोले, पर्यावरण प्रदूषण से हो रहा जलवायु परिवर्तन
- गोष्ठी में वृक्ष प्रेमी किशन सिंह का किया गया सम्मान

देहरादून। पर्यावरण प्रदूषण का कृषि व्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह बात विश्व पर्यावरण दिवस पर उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (यूकॉस्ट) परिषद के बैनर तले 'कृषि एवं जलवायु परिवर्तन' विषय पर हुई गोष्ठी में पर्यावरणविद प्रोफेसर गजेंद्र सिंह ने कही। इस मौके पर कहा गया कि पर्यावरण प्रदूषण से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। इससे समुद्री तूफान जैसे कि साइक्लोन, टाईफून के साथ ही अंधड़ की समस्या बढ़ रही है। इस मौके पर वृक्ष प्रेमी किशन सिंह मलड़ा को सम्मानित किया गया।

गोष्ठी में कहा गया कि ग्रीन हाउस गैस पूरे पारिस्थितिकीय तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। इससे वर्षाकाल कम हो रहा है। कहीं तीव्र वर्षा हो रही है और कहीं सूखा पड़ रहा है। इस मौके पर प्रोफेसर एएन पुरोहित ने जन-जागरूकता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की बात कही। राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद कोलकाता से आए पर्यावरणविद ई दास गुप्ता ने भी विचार रखे। इस मौके पर यूकॉस्ट के महानिदेशक डा. राजेंद्र डोभाल, डा. प्रभाकर बडोनी, डा. प्रशांत सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

देहरादून। पर्यावरण दिवस पर दिविक टेक्नो मीडिया और केसी ज्वैलर्स के बैनर तले निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर डा. तरुण मित्तल, डा. संजय, डा. रोहित अग्रवाल ने मरीजों का परीक्षण किया।

पर्यावरण दिवस पर आईटीबीपी में पौधरोपण करते अधिकारी व जवान।

एफआरआई से निकाली गई साइकिल रैली में प्रतिभाग करते मेयर।

दिविक टैक्नो मीडिया और केसी ज्वैलर्स की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जांच कराती महिला।

मसूरी मालरोड पर निकाली गई पर्यावरण जागरूकता रैली।

अभियान चलाया, पौधे रोपे

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस (पांच जून) के मौके पर गढ़वाल भ्रातृ मंडल संस्था की ओर से सफाई अभियान चलाया गया। संस्था के महासचिव कालिका प्रसाद नवानी ने बताया कि 14 वर्षों से संस्था की ओर से सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष भी चंद्रबनी खालसा ग्रामसभा में पॉलीथिन के विरुद्ध अभियान चलाया गया। हिमालयी हरितिका सोसाइटी की ओर से पौधे रोपे गए। इस अवसर पर पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए जलवायु को प्रदूषण मुक्त बनाने की शपथ ली गई। इस मौके पर हरदयाल प्रसाद, दामोदर, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे। दिशा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था की ओर से गोष्ठी आयोजित की गई। सुशील विरमानी, पंकज नेगी, नीरज यादव, प्रभात डंडरियाल आदि उपस्थित रहे। **ब्यूरो**

राजपुर रोड स्थित डब्लू आईसी में पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में माडल बनाकर पर्यावरण बचाने का संदेश देते बच्चे।

पर्यावरण दिवस प्रतियोगिताएं आयोजित

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को राजपुर रोड स्थित डब्ल्यूआईसी (वर्ल्ड इंटिग्रिटी सेंटर) ने बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया। क्राफ्ट, भाषण और कविता की प्रतियोगिताओं में विभिन्न आयु के बच्चों ने भाग लिया। इसमें दिव्यांश, अदिति, तेनजिन, शिरीषी, रुचि उनियाल, प्रभप्रीत और अमित ने जीत हासिल की। वहीं पर्यावरणीय मुद्दों पर एक्सपर्ट पैनल ने भी विचार रखे। इस अवसर पर दून विश्वविद्यालय के कुलपति वीके जैन, दून विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रो. एमके पंडित, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. अवधेश कौशल और कलोवर आर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ संजय अग्रवाल मौजूद रहे।

नदियों के किनारे लगें पेड़-पौधे

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस पर क्षत्रिय चेतना मंच के पथरीबाग स्थित कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पर्यावरणविद् डा. अनिल जोशी ने कहा कि सभी सामाजिक संगठनों को एकजुट होकर पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आना होगा। अन्य वक्ताओं ने राजधानी में बढ़ती कंक्रीट की सड़कों, इमारतों आदि को लेकर चिंता जताई। साथ ही बिंदाल-रिस्पना नदियों में गंदगी, मलिन बस्तियों में कूड़े के ढेरों को साफ कर उन स्थानों पर पौधे लगाने पर भी जोर दिया। इस अवसर महासचिव संजय अग्रवाल, पीडी गुप्ता, आरिफ आदि मौजूद रहे। **ब्यूरो**

प्राकृतिक संसाधनों का सही प्रयोग हो

देहरादून। विश्व पर्यावरण दिवस पर उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (यूसैक) के तकनीकी प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्म भूषण चंडी प्रसाद भट्ट ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का युक्तिसंगत प्रयोग होना चाहिए। सही तरीके से उपयोग न करने पर प्रकृति का संतुलन बिगड़ सकता है। इस मौके पर बताया गया कि यूसैक प्रदेश के 95 ब्लाकों में कार्यक्रम आयोजित कर आपदा से बचाव के तरीके बता रहा है। आरएस मेहता, अरुणा रानी, डा. नीलम रावत, पुष्कर कुमार आदि कार्यक्रम में मौजूद रहे। **ब्यूरो**

पीपुल्स संस्था ने साइकिल रैली से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

देहरादून। पीपुल्स संस्था ने शुक्रवार को एफआरआई में साइकिल रैली का आयोजन किया। पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित की गई रैली का उद्घाटन मेयर विनोद चमोली ने किया। संस्था के सचिव नंदन कन्याल ने बच्चों को इस तरह की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता जोगेंद्र सिंह पुंडीर, कर्नल जेएस रावत (सेवानिवृत्त), रेड क्रास सोसायटी के अध्यक्ष डा. अंसारी, एफआरआई के मुख्य सुरक्षा अधिकारी आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण को बच्चों ने निकाली रैली

मसूरी। विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूली बच्चों ने मालरोड पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली। रैली में बच्चे पर्यावरण संरक्षण के कई स्लोगन लिखे पोस्टर और बैनर लिए हुए थे। रैली हैप्पी वैली से शुरू हुई और गांधी चौक में संपन्न हुई। इस मौके पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला ने बच्चों से कहा कि वे प्रकृति के पहरी बन पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। उधर, मालरोड पर संत निरंकारी मिशन की ओर से पर्यावरण दिवस पर सफाई अभियान चलाया गया।

अटल पेंशन योजना

समस्त बचत बैंक खाताधारकों के लिए जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष है

मासिक पैंशन आपके योगदान पर आधारित होगी, यानी 18 वर्ष पर प्रवेश करने पर

₹42 से ₹210 प्रति माह तक निवेश करने पर

60 वर्ष की आयु से,

₹1,000 से ₹5,000 तक के पेंशन का आजीवन भुगतान पाएँ

60 वर्ष की आयु से आप, और आपके बाद आपके जीवनसाथी पाएँगे प्रति माह एक निश्चित पैंशन राशि.
जीवनसाथी के बाद आपके नामिति को मिलेगी ₹1,70,000 - ₹8,50,000 तक की संग्रहित राशि

• न्यूनतम निर्धारित पेंशन लाभ देने की गारंटी सरकार की होगी • मासिक पेंशन – निवेशक की आयु, निवेश की अवधि और निवेशित राशि पर आधारित होगी • प्रीमियम / निवेश की राशि खाताधारक के बचत खाते से बैंक द्वारा 'ऑटो डेबिट' सुविधा के माध्यम से ली जाएगी • 31 दिसम्बर 2015 से पहले योजना से जुड़ने पर केन्द्र सरकार योगदान राशि का 50% या ₹1000 प्रति वर्ष में से जो भी कम हो, का योगदान 5 वर्षों तक प्रत्येक विनिर्दिष्ट खाते* में देगी • कोई भी व्यक्ति केवल एक बचत खाते द्वारा ही इन योजनाओं के लिए पात्र होगा

अपनी बैंक शाखा या बैंक मित्र से तुरंत संपर्क करें और फ़ॉर्म भर कर इस योजना का लाभ उठाएँ

अधिक जानकारी के लिए कृपया राष्ट्रीय टोल फ्री नंबर 1800 110 001 / 1800 180 1111 या राज्य टोल फ्री नंबर 18001804167 पर कॉल करें या वेबसाइट पर विजिट करें
www.jansuraksha.gov.in/www.financialservices.gov.in

जितनी जल्दी निवेश की शुरुआत, उतना ज्यादा फ़ायदा

* खाताधारक किसी भी सांविधिक सामाजिक सुरक्षा योजना के सदस्य या आयकर दाता न हों।

ये है आपके भविष्य की सुरक्षा के लिए ज़रूरी

अटल पेंशन योजना

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) अभिदाता पंजीकरण फ़ार्म

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) - अभिदाता पंजीकरण फार्म
(पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण द्वारा अभिशासित)

सेवा
शाखा प्रबंधक, _____ बैंक _____ शाखा

महोदय/महोदया,
मैं यह अनुरोध करता हूँ कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के अंतर्गत निम्न ब्यौरे के अनुसार मेरे नाम से एक एपीवाई खाता खोला जाए:

*अनिवार्य रूप से भरा जाए। कृपया फार्म स्पष्ट अक्षरों में भरें।

1. बैंक का ब्यौरा:
बैंक खाता सं.* | बैंक का नाम | बैंक शाखा*

2. व्यक्तिगत ब्यौरा:
आवेदक का नाम श्री ☐ श्रीमती ☐ कुमारी ☐
पूरा नाम
जन्म तिथि* / / आयु मोबाइल नं.
ई-मेल आईडी आधार
विवाहित हां ☐ नहीं ☐ यदि विवाहित है, तो पति/पत्नी का नाम
पति/पत्नी का नाम आधार
नामिती का नाम आधार
अभिदाता के साथ नामिती का संबंध
यदि नामिती अवस्यक हो, तो अतिरिक्त ब्यौरा
जन्म तिथि / /
अभिभावक का नाम
क्या अन्य सांविधिक सामाजिक सुरक्षा योजना के लाभार्थी हैं हां ☐ नहीं ☐
क्या आयकर दाता हैं हां ☐ नहीं ☐

3. पेंशन ब्यौरा
पेंशन राशि (कृपय सही का निशान) 1000 ☐ 2000 ☐ 3000 ☐ 4000 ☐ 5000 ☐
अंशदान राशि (मासिक) (रू. में) (बैंक द्वारा भरा जाना है)
मैं एतद्वारा एपीवाई के अंतर्गत अपनी आयु तथा अपने द्वारा चयनित पेंशन राशि के आधार पर 60 वर्ष की आयु तक भुगतान करने के लिए अपने उपर्युक्त बैंक खात से नामे डालने के लिए प्राधिकृत करता/करती हूँ। यदि अंतरण में विलंब होता है या अपर्याप्त शेष राशि के कारण अंतरण नहीं हो पाता है तो मैं इसके बैंक को उत्तरदायी नहीं ठहराऊंगा/ठहराऊंगी। मैं अतिरिक्त राशि तथा उस पर जुर्माने को जमा करने की भी शपथ लेता/लेती हूँ

सभी अभिदाताओं द्वारा घोषणा तथा प्राधिकार
मैं एपीवाई के अंतर्गत सहायता के निर्धारित पात्रता मानदंड को पूरा करता/करती हूँ तथा मैंने योजना की शर्तों को पढ़ लिया है। मैं एतद्वारा इसमें सहमत हूँ और यह घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे प्रस्तुत की गई सूचना मेरी जानकारी एवं विश्वास सही है। मैं प्रस्तुत की गई उपर्युक्त सूचना में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना बैंक को तत्काल देने का वचन देता/देती हूँ। इसके अलावा, एनपीएस के अंतर्गत पहले से मेरा कोई अन्य खाता नहीं है। मैं यह मानता हूँ कि किसी भी गलत सूचना या दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए मैं उत्तरदायी होऊंगा/होऊंगी। मैंने एपीवाई दिशानिर्देशों को पढ़ लिया/पूछे इसकी जानकारी दी गई है तथा मैंने इसको समझ लिया है। इसके अलावा मैं पीएफआरडीए/भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किए गए अनुसार योजनाओं के अंतर्गत सेवाओं की शर्तों से आबद्ध होने के लिए सहमत हूँ।

तिथि / /
स्थान
अभिदाता का हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान (*पुरुष के मामले में बायें तथा महिला के मामले में दाएं अंगूठे का निशान)

पावती- अटल पेंशन योजना एपीवाई के लिए अभिदाता पंजीकरण
(बैंक द्वारा भरा जाना है)
अभिदाता का नाम:
पीआरएएन संख्या
गारंटीशुदा पेंशन राशि | अंशदान की अवधि | मासिक
एपीवाई के अंतर्गत मासिक अंशदान राशि (रू.में)
बैंक का नाम:
बैंक शाखा:
प्राप्तकर्ता अधिकारी का नाम:
आवेदन प्राप्त करने की तारीख:
बैंक की मोहर तथा हस्ताक्षर

कृपया ये फ़ॉर्म भरें एवं अपनी नज़दीकी बैंक शाखा में या बैंक मित्र के पास जमा करवाएं